This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. ....

Sl. No. of Ques. Paper	: 1979
Unique Paper Code	: 62051103
Name of Paper	: Hindi (B)
Name of Course	: B.A. (Prog.)
Semester	: I
Duration	: 3 hours
Maximum Marks	: 75

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:

(क) कस्तूरी कुंडलि बसै, मृग ढूँढै बन माहि।
ऐसे घट-घट राम हैं, दुनिया देखै नाहि।।

अथवा

बहुत कीन्ह प्रभु लखन सियँ नाहिं कछु केवटु लेइ।
बिदा कीन्ह करुनायतन भगति बिमल वरु देइ।।

(ख) बतरस-लालच लाल की मुरली धरी लुकाइ।
सोहैं करैं भौंहनु हंसै, दैन कहैं नटि जाइ।।

अथवा

सजि चतुरंग-सैन अंग में उमंग धारि, सरजा सिवाजी जंग जीतन चलत हैं।
भूषन भनत नाद-बिहद नगारन के, नदी नद मद गैबरन के रलत हैं।

P. T. O.

munotes.in

ऐल फैल खैल भैल खलक में गैल-गैल, गजन की ठैलपैल
सैल उसलत हैं।
तारा सो तरनि धूरिधारा में लगत जिमि, धारा पर पारा
पाराबार यों हलत हैं।।

(ग) दीप-शिखा है अन्धकार की
घनी घटा की उजियाली।
ऊषा है यह कमल-भृंग की
है पतझड़ की हरियाली।।

अथवा

काट अंध-उर के बंधन-स्तर
बहा जननि, ज्योतिर्मय निर्झर,
कलुष-भेद-तम हर प्रकश भर
जगमग जग कर दे! 10+10+10=30

2. कबीरदास अथवा तुलसीदास के काव्य सौंदर्य पर प्रकाश डालिए। 10

3. पठित काव्यांशों के आधार पर भूषण के छंदों **अथवा** बिहारी के दोहों का सार लिखिए। 10

4. सुभद्राकुमारी चौहान **अथवा** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' का साहित्यिक परिचय दीजिए। 10

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए:

(क) हिंदी का उद्‌भाव;

(ख) खड़ी बोली। 5

6. किन्हीं **दो** पर टिपणी लिखिए:

(क) आदिकालीन कविता;

(ख) कृष्णभक्ति काव्य;

(ग) रीतिकाल;

(घ) प्रयोगवाद। 5+5=10

munotes.in